575

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–6)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

GSM (M-I)-2406

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Puran **Mobile Number:** ____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** ____

Center & Date: M.N., 14 August 24 **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*****:** 1702284

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **बारह** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWELVE** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

खंड – क / SECTION – A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. (a) संवेगात्मक बुद्धिमत्ता (EI) क्या है? संवेगात्मक बुद्धिमत्ता और संवेगात्मक गुणक (EQ) के बीच तुलना कीजिये। (150 शब्द) 10

What is Emotional Intelligence? Draw a comparison between Emotional Intelligence and Intelligence Quotient. (150 Words) 10

सैलोवी व मेयर के अनुसार संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति की अपने संवेगों और भावनाओं के प्रति जागरूकता और नियंत्रण के साथ दूसरो की भावनाओं और संवेगों को समझकर उसके अनुसार निर्णयन की प्रक्रिया है।

संवेगात्मक बुद्धिमता के 5 महत्वपूर्ण आयाम हैं (डेनियल गोलमैन के अनुसार):-

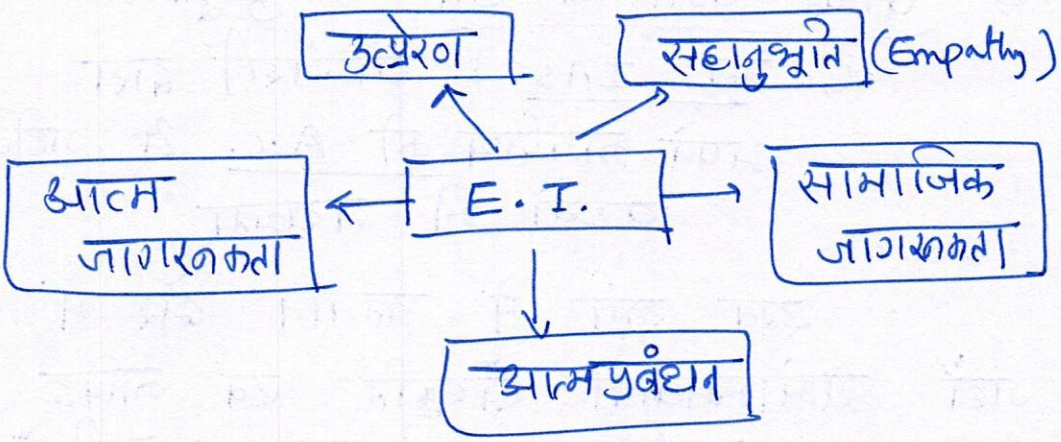

संवेगात्मक (EQ) के साथ तुलना :-

↳ जहाँ संवेगात्मक बुद्धिमता भावनाओं

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

से आगे बढ़कर संवेगों के नियंत्रण एवं अनुप्रयोगों को शामिल करती है, वहीं संवेगात्मक गुणक (E.Q.) केवल संवेगों की तीव्रता का मापन करता है। यह ठीक बुद्धिमता गुणक (I.Q.) के समान ही भावुकता का गुणक (E.Q.) है।

संवेगात्मक बुद्धिमता का महत्व :

- सामाजिक संबंधों में बेहतरी
- कार्य - जीवन संतुलन
- हताशा के समय स्वयं को प्रेरित करना
- वंचित वर्गों के प्रति सहानुभूति
  - उदा॰ IAS S. सोमवंशी द्वारा अपने कार्यालय की A.C. से गरीब बच्चों की सहायता

इस रूप में वर्तमान दौर में जहाँ उपभोक्तावादी संस्कृति एवं कोविड के पश्चात जीवन के प्रति हताशा बढ़ी है, 'भावनात्मक बुद्धिमता' मानवीय संबंधों में प्रगाढ़ता लाने में सहायक हो सकती है।

(b) नैतिकता और नीतिशास्त्र में क्या अंतर है? पेशेवर जीवन में नीतिशास्त्र का क्या योगदान है? (150 शब्द) 10

What is the difference between morals and ethics? In what ways Ethics contribute to professional life? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नीतिशास्त्र वस्तुतः कुछ सिद्धांतों एवं मानकों के आधार पर सामाजिक मनुष्य के ऐच्छिक कर्मों की शुभ-अशुभ, अच्छे-बुरे आदि के आधार पर व्याख्या करने का प्रयास करता है।

वहीं पॉटर स्टीवर्ट के अनुसार, " क्या करने का अधिकार है तथा क्या करना उचित है, के बीच के अंतर को जानना ही, नैतिकता है।

नीतिशास्त्र एवं नैतिकता में अंतर :-

~~नीतिशास्त्र~~ नैतिकता	नीतिशास्त्र
1. 'नैतिकता' एक अवधारणा	1. 'नीतिशास्त्र', ~~एक~~ नैतिकता का अध्ययन
2. 'नैतिकता', कुछ मूल्यों पर आधारित	2. नीतिशास्त्र, सिद्धांतों पर आधारित

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. नैतिकता, व्यक्तिनिष्ठ हो सकती है।
↳ उदा. → "शाकाहार के संबंध में व्यक्तिगत नैतिकता

↳ 'नीतिशास्त्र', प्रायः वस्तुनिष्ठ सिद्धांतों के आधार पर नैतिकता की व्याख्या करता है।
↳ उदा.
↳ 'कांट' का 'सार्वभौमिकता का सिद्धांत
↳ बेंथम का 'उपयोगितावाद'

पेशेवर जीवन में नीतिशास्त्र का योगदान :-

(1.) नैतिक दुविधाओं के समाधान में
↳ उदा. → प्रशासन में व्यक्तिगत हित व सामाजिक हित में से एक को चुनना

(2.) मन-वचन-कर्म में संगतता अर्थात 'सत्यनिष्ठा' के पालन में

(3.) समाज के सम्यक संचालन में पेशेवर नैतिकता बनाये रखने में
↳ उदा. → 'चिकित्सकीय नैतिकता'

इस रूप में पेशेवर जीवन में कर्तव्यों के उचित अनुपालन की दिशा में 'नीतिशास्त्र' मार्गदर्शक का कार्य करता है।

drishti | दृष्टि The Vision

2. (a) नेल्सन मंडेला के जीवन से क्या सबक सीखा जा सकता है और वर्तमान स्थिति में कार्यान्वित किया जा सकता है? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

What lessons can be learned from Nelson Mandela's life and applied to the present situation? Provide examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीकी स्वतंत्रता संग्राम के सर्वाधिक प्रभावी नेतृत्वकर्ता होने के साथ ही एक महान विज़न वाले वैश्विक नेता थे।

नेल्सन मंडेला का जीवन परिचय :

- नेल्सन मंडेला का जन्म एक गरीब अश्वेत परिवार में दक्षिण अफ्रीका में हुआ।
- युवावस्था में ब्रिटिश औपनिवेशवादी एवं शोषणकारी नीतियों से क्षुब्ध होकर स्वतंत्रता संग्राम में उतरे।
- अपने शानदार नेतृत्व एवं ओजस्वी भाषणों के कारण जल्द ही जनता के मध्य लोकप्रिय
- 30 वर्षों तक जेल में रहे। (धैर्य)
- बाद में स्वतंत्र दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बने।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इनके जीवन से सबक

1. अन्याय के विरुद्ध प्रतिकार करना
2. व्यक्तिगत हितों को समाज एवं राष्ट्र के ~~प्रति~~ बाद रखना
3. यदि वृहद लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये संपूर्ण जीवन का समर्पण करने की आवश्यकता पड़े तो, तैयार रहना। (स्वैच्छ
4. क्षमाशीलता का गुण रखना
   - स्वतंत्रता के पश्चात ब्रिटिश निवासियों के प्रति पूर्वाग्रह नहीं, ब्रिटेन को माफ किया।

वर्तमान प्रासंगिकता :

- वर्तमान में → भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, सामाजिक वैमनस्यता, जैसी समस्यायें
- मंडेला का जीवन अत्यंत प्रेरणादायी
- साहस, धैर्य, त्याग, सहिष्णुता, क्षमाशीलता जैसे मंडेला के गुणों के पालन की आवश्यकता
  - उदा० → IAS रोशन जैकब द्वारा → स्वयं नाले की सफाई
- ~~उदा~~ तुलसी गौड़ा (पद्म पुरस्कार) → पर्यावरण के लिये जीवन समर्पित करना।

(b) लोक सेवकों के लिये संवेगात्मक बुद्धिमत्ता के महत्त्व पर प्रकाश डालिये। एक लोक सेवक में संवेगात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करने के तरीके बताइये। (150 शब्द) 10

Highlight the significance of emotional intelligence for Civil Servants. Bring out the ways to inculcate emotional intelligence in a civil servant. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

डेनियल गोलमैन के अनुसार संवेगात्मक बुद्धिमता' से तात्पर्य अपनी व दूसरों की भावनाओं को समझने एवं उनके प्रबंधन से है।

↳ उदा॰ IAS जितेन्द्र कुमार सोनी द्वारा बच्चों की समस्या एवं भावना समझते हुये → "चरण पादुका अभियान' संचालन

लोकसेवकों के लिये महत्व :-

(1.) अपने जीवन एवं कर्तव्यों के प्रति "आत्म-जागरूक' बने रहने में

(2.) 'कार्य - निजी जीवन' में संतुलन बनाये रखने में

(3.) ~~सं~~ जरूरतमंदो के प्रति संवेदनशील रवैया बनाये रखने में

↳ उदा॰ → IAS प्रशांत नैयर → "करुणाशील कोझीकोड" अभियान

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(4.) तनावपूर्ण स्थितियों के समाधान में (दंगा-नियंत्रण, भीड़-नियंत्रण आदि में)

↳ उदाहरण → IPS राहुल चौधरी द्वारा भीड़ ~~ध्यान~~-नियंत्रण के लिये 'राष्ट्रगान' गाना

(5.) कठिन लक्ष्यों के प्रति स्वयं को लगातार उत्प्रेरित बनाये रखने में

↳ उदा॰ पूर्व-चुनाव आयुक्त T.N. शेषन द्वारा व्यापक चुनाव सुधारों का सफल क्रियान्वयन।

संवेगात्मक बुद्धिमता विकसित करने के तरीके:-

(1.) मानसिक अभ्यास द्वारा → ध्यान, प्राणायाम द्वारा

(2.) सामाजिक मेल-जोल के माध्यम से लोगों की राय को जानना

(3.) कार्यस्थल पर 'संवाद', मेलजोल व रचनात्मक गतिविधियों का संचालन

(4.) प्रेरणात्मक कहानियाँ, हितोपदेश, पंचतंत्र आदि के माध्यम से

3. नीचे महान विचारकों के तीन उद्धरण दिये गए हैं। इनमें से प्रत्येक उद्धरण वर्तमान संदर्भ में आपको क्या संदेश देता है?

Given below are three quotations of great thinkers. What do each of these quotations convey to you in the present context?

(a) "हम ऐसी शिक्षा चाहते हैं जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विस्तार हो और जिससे व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो सके" - स्वामी विवेकानंद (150 शब्द) 10

"We want the education by which character is formed, strength of mind is increased, the intellect is expanded, and by which one can stand on one's own feet" – Swami Vivekanand

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वामी विवेकानंद जी सदैव युवाओं को सद्जीवन की प्रेरणा देते रहे।

उपरोक्त कथन भी 'शिक्षा' के माध्यम से चरित्रवान युवाओं के विकास की प्रेरणा देता है।

वास्तव में 'शिक्षा' का उद्देश्य व्यक्ति के 'चरित्र' को सुदृढ़ बनाना एवं उसकी बौद्धिक संकीर्णता को खोलकर विस्तार देने का ही होना चाहिये।

प्राचीन भारतीय धर्म ग्रंथ भी ऐसी ही 'शिक्षा' की प्रेरणा देते हैं।

"सा विद्या या विमुक्तये:"

महात्मा गाँधी जी ने भी 'चरित्रविहीन शिक्षा' को सात पापों में

से एक बताया है।

अतः आवश्यक है कि शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत हम केवल जानकारियों को इकट्ठा करना न सिखायें, बल्कि नैतिक गुणों के समावेशन के माध्यम से मानव चरित्र का भी संपूर्ण विकास हो।

ऐसा होने पर हमें ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, रतन टाटा, डॉ० रतनचंद कार ('जारवा के जीवनदाता') जैसे शिक्षित व चरित्रवान व्यक्ति मिलेंगे, जो समाज में नैतिक आचरण, सामाजिक सौहार्द स्थापित करेंगे।

~~इनके~~ ~~चरित्र~~ 'चरित्रवान शिक्षा' के अभाव में हमें 'अंग-व्यापार' करने वाले डॉक्टर, भ्रष्ट अधिकारी, अजमल कसाब व लादेन जैसे आतंकवादी मिलेंगे जो शिक्षा का दुरुपयोग समाज को तोड़ने में करेंगे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) "क्रोध को पाले रखना गर्म कोयले को किसी और पर फेंकने की नीयत से पकड़े रहने के समान हैं, इसमें आप ही जलते हैं।" - बुद्ध (150 शब्द) 10

"Holding on to anger is like grasping a hot coal with the intent of throwing it at someone else: you are the one who gets burned." – Buddha (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त कथन 'क्रोध' के दुष्प्रभावों को दर्शाता है। बुद्ध ने अन्यत्र भी बताया है कि –

" क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है।"

वास्तव में 'क्रोध' किसी और को नुकसान पहुँचाने के बजाय 'क्रोधी मनुष्य' को ही सर्वाधिक नुकसान पहुँचाता है। क्रोध से जहाँ मनुष्य का 'मन अशांत' होता है, मानसिक तनाव उत्पन्न होता है, वहीं शारीरिक तौर पर भी 'रक्तचाप' जैसी व्याधियाँ उसे घेरती है।

इतना ही नहीं 'क्रोध' में ~~व्य~~ व्यक्ति 'अपशब्द', 'हिंसा' का प्रयोग करता है, तो उसे कानूनी

कार्यवाही का भी सामना करना पड़ता है।
इसीलिये 'भारतीय दर्शन' में मनुष्य के 4 प्रमुख शत्रुओं यथा - "काम, क्रोध, लोभ, मोह" में से 'क्रोध' को भी एक प्रमुख शत्रु माना गया है।

महाभारत में भी 'दुर्योधन' के 'क्रोध' के कारण ही समस्त 'कौरव वंश' का नाश हुआ।

स्पष्टतः में आवश्यक है कि व्यक्ति अपने 'क्रोध' पर नियंत्रण रखे।

यद्यपि वर्तमान समय में व्यापार, राजनीति, प्रशासन में 'मानव-प्रबंधन' एवं लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में कई बार क्रोध आवश्यक हो जाता है किंतु तब भी वह पूर्ण नियंत्रण में होना चाहिये।

कहा भी गया है - "कितना क्रोध करने से ज्यादा महत्वपूर्ण है कब क्रोध किया जाये"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(c) "यदि आप इसलिये रोते हैं क्योंकि सूरज आपके जीवन से चला गया है, तो आपके आँसू आपको तारे देखने से रोकेंगे।"- रवींद्रनाथ टैगोर (150 शब्द) 10

"If you cry because the sun has gone out of your life, your tears will prevent you from seeing the stars." – Rabindranath Tagore (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रविन्द्रनाथ टैगोर एक महान मानवतावादी व्यक्ति थे। उनका संपूर्ण जीवन एवं विचार अत्यंत प्रेरणादायी रहे।

उपरोक्त विचार भी टैगोर का एक ऐसा ही प्रेरणादायी विचार है, जो असफलता या पराजय की हताशा के समय में भी आशा एवं उज्ज्वल भविष्य की रोशनी दिखाता है।

वास्तव में हम में से कई लोग जीवन में किसी न किसी समय असफलता या हताशा का सामना करते है। तब हमें लगता है कि जीवन शायद समाप्त हो गया है। अपने चारों तरफ हमें बस अंधकार ही दिखायी पड़ता हैं।

किंतु टैगोर यहाँ बताते है कि

drishti | दृष्टि The Vision

जीवन में एक द्वार बंद हो जाने से जीवन समाप्त नहीं हो जाता, बल्कि हो सकता है कि वह जीवन में नये द्वार खोले।

रात्रि में 'सूरज' के ढलने की निराशा के बजाय हमें 'तारों की खूबसूरती' देखने के प्रति उत्साहवान होना चाहिये। अर्थात जीवन के हर पक्ष के प्रति "सकारात्मक अभिवृत्ति" (Positive Attitude) रखनी चाहिये।

गोपालदास 'नीरज' ने भी कहा है -

"छुप छुप अश्रु बहाने वालों,
मोती व्यर्थ लुटाने वालों,
कुछ सपनों के मर जाने से
जीवन नहीं मरा करता है"

उदा० - ए० पी० जे० अब्दुल कलाम एयरफोर्स की परीक्षा में असफल रहे, किंतु बाद में महान मिसाईल वैज्ञानिक और भारत के राष्ट्रपति बने।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

4. (a) किसी व्यक्ति में मूल्यों को विकसित करने में परिवार और समाज की भूमिका पर प्रकाश डालिये? (150 शब्द) 10

Highlight the role of family and society in inculcating values in an individual? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मूल्य, व्यवहार या कार्यों के वे पैमाने या कसौटियाँ है, जिनके आधार पर उचित - अनुचित, सही - गलत का निर्धारण किया जाता है।

उदा० → 'सत्य', 'अहिंसा', 'प्रेम' आदि मानवीय मूल्य

मूल्यों के विकास में परिवार की भूमिका:

- परिवार बच्चो की प्रथम पाठशाला
- परिवार, माता - पिता के कार्यों, व्यवहार, परंपराओं, मूल्यों का बच्चों पर सीधा एवं प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।
  - उदा० → जिस परिवार में 'स्त्रियों' को सम्मान, बच्चों में भी 'महिलाओं के प्रति सम्मान' का मूल्य विकसित
- अल्बर्ट बांडुरा के अनुसार " बच्चों में अनुकरण की प्रवृति", अतः माता - पिता,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परिवार के व्यवहार का अनुकरण

समाज की भूमिका :-

1. परिवार के पश्चात बच्चों का प्रथम बाह्य संसार से साक्षात्कार → समाज के माध्यम से ही

2. सामाजिक मूल्य → परिवार से होते हुये बच्चों में भी आते है।
   ↳ उदा॰ राजस्थान में 'विश्नोई समाज' में 'पर्यावरण-प्रेम' के मूल्य बच्चों में भी।

3. 'सामाजिक-अनुकूलन' → समाज की किसी कार्य के प्रति प्रतिक्रिया देखकर ही बच्चों में उस कार्य के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक अभिवृत्ति का जन्म होता है।
   ↳ उदा॰ → यदि समाज में 'जातिगत भेदभाव' के प्रति नकारात्मक रुख, तो बच्चों में भी

उपरूप में डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम ने भी 'सुंदर मनों' वाले समाज के निर्माण में परिवार व समाज की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका बताती है।

(b) किसी व्यक्ति की अभिवृत्ति का निर्माण कैसे होता है तथा अनुनयन एवं सामाजिक प्रभाव सकारात्मक अभिवृत्ति को बढ़ावा देने में कैसे योगदान करते हैं? (150 शब्द) 10

What constitutes an individual's attitude, and how do persuasion and social influence contribute to fostering a positive attitude? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

'अभिवृत्ति' से तात्पर्य किसी कार्य, व्यवहार, व्यक्ति, समूह इत्यादि के प्रति किसी व्यक्ति या समूह के रुझान से है।

जैसे → "समलैंगिकता" के प्रति किसी की 'नकारात्मक अभिवृत्ति' होना

अभिवृत्ति का निर्माण :-

1. अभिवृत्ति के विकास के 3 पहलू

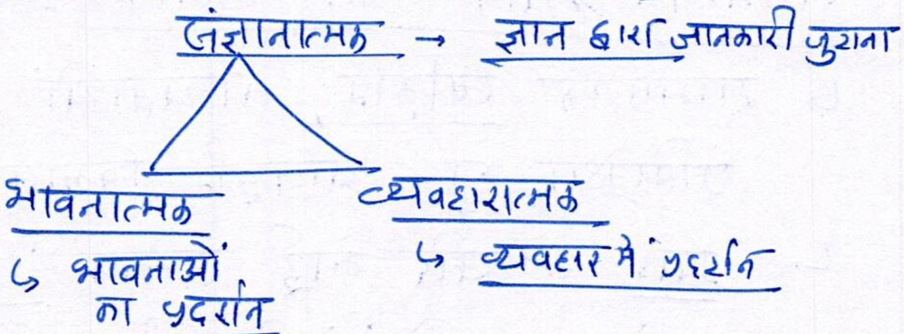

2. इस रूप में अभिवृत्ति प्रायः अर्जित होती है।

3. 'सामाजिक प्रभाव' → सामाजिक व्यवहार देखकर सीखना

drishti | दृष्टि The Vision

(4.) प्रेरणात्मक अधिगम

↳ आब्जर्वेशन द्वारा अभिवृत्ति सीखना

(5.) ~~स्कूल, को~~ पारिवारिक मूल्यों का प्रभाव

(6.) स्कूल, कॉलेज, शिक्षा का प्रभाव

अनुनयन (Persuasion) का प्रभाव :-

↳ सूचकों व विश्लेषण आदि के आधार पर निश्चित व्यवहार के लिये प्रेरित करना

↳ उदा॰ 'प्रधानमंत्री' नरेन्द्र मोदी द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान' के लिये अनुनयन का प्रयोग

"सामाजिक प्रभाव" का प्रभाव :-

↳ सामाजिक स्वीकृति, मान्यताओं एवं प्रतिक्रिया का अभिवृत्ति विकास पर प्रभाव

↳ उदा॰ → यदि कोई समाज "उदारवादी" तो व्यक्तियों की भी अभिवृत्ति अन्य लोगों / धर्मों / सम्प्रदायों के प्रति 'उदारवादी' रहेगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

5. (a) (i) गर्भपात (ii) इच्छामृत्यु (iii) मृत्युदंड में निहित नीतिशास्त्रीय मुद्दों का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Analyze the ethical issues in (i) Abortion (ii) Euthanasia (iii) Death Penalty (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गर्भपात ::

नीतिशास्त्रीय मुद्दे :-

↳ महिलाओं की 'दैहिक स्वतंत्रता' का मुद्दा (भारतीय संविधान अनु.21)

↳ 'गर्भस्थ भ्रूण' के 'जीवन' के अधिकार का मुद्दा

↳ गर्भवती महिला के "स्वास्थ्य एवं जीने के अधिकार' का मुद्दा

↳ 'गर्भपात निरोधक कानून' & "लैंगिक जाँच निरोधक कानून' → गर्भपात गैर कानूनी

↳ हालांकि नाबालिग गर्भवती युवती के एवं गर्भवती महिला के स्वास्थ्य के संबंध में गर्भपात का अधिकार

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) इच्छा मृत्यु :

नैतिक मुद्दे

1. 'दैहिक जीवन" की रक्षा का मुद्दा

2. वही "गरिमामय जीवन के अधिकार' के अंतर्गत 'गरिमामयी मृत्यु" का अधिकार भी शामिल" (अनु० 21)

3. असाध्य रोग से पीड़ित व्यक्ति को 'पीड़ा मुक्ति' का मुद्दा

(iii) मृत्युदण्ड :

- 'व्यक्ति के जीवन अधिकार' का मुद्दा
- 'राज्य' को 'जीवन के अधिकार' की रक्षा का दायित्व, जीवन लेने का अधिकार
- अन्य व्यक्तियों की जीवन रक्षा का मुद्दा - खूंखार अपराधी के संबंध में (बेंथम - "अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम सुख")
- "बच्चन सिंह वाद" → गंभीरतम अपराधों में मृत्युदण्ड संभव

(b) "कभी 'न' मत कहो, कभी 'मैं नहीं कर सकता' मत कहो, क्योंकि तुम अनंत हो। सारी शक्ति तुम्हारे भीतर है तुम कुछ भी कर सकते हो।" आपकी राय में निर्णयन की प्रक्रिया में सकारात्मक अभिवृत्ति की क्या भूमिका है? (150 शब्द) 10

"Never say 'no', never say 'I cannot', for you are infinite. All the power is within you. You can do anything." In your opinion what is the role of a positive attitude in the decision-making process. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

व्यक्ति की अभिवृत्ति, व्यक्ति के ~~विचारों~~ कार्यों एवं अंततः उसके व्यवहार को प्रभावित करती है।

(~~अभिवृत्ति~~ विचार) ⇒ ~~विच~~ (अभिवृत्ति) ⇒ (व्यवहार)

निर्णयन प्रक्रिया में ~~सकारा~~ सकारात्मक अभिवृत्ति की भूमिका :-

1. लक्ष्य के प्रति आशावादिता बनाये रखने में :-
   - ↳ सकारात्मक अभिवृत्ति युक्त व्यक्ति कठिन लक्ष्य के बावजूद उसे हासिल करने के प्रति आशावान रहेगा।
   - ↳ उदा० → IPS किरन बेदी द्वारा तिहाड़ में जेल सुधार

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(2.) टीम वर्क की भावना का विकास

↳ सकारात्मक अभिवृत्ति → टीम की क्षमताओं में विश्वास

↳ 'कोविड्-19' के दौरान IAS. टी. अरुण द्वारा 'भीलवाड़ा मॉडल' सकारात्मक अभिवृत्ति व टीमवर्क के कारण सफल

(3.) रचनात्मक समाधानों की खोज

↳ समस्या के बजाय समाधान पर फोकस

↳ मणिपुर IAS आमस्ट्रांग पामे द्वारा 'क्राउड फंडिंग' द्वारा 100 km सड़क निर्माण

(4.) नेतृत्व-क्षमता एवं उत्तरदायित्व की भावना

↳ उदा० → इसरो अभियान की असफलता पर प्रमुख के. सिवन द्वारा जिम्मेदारी लेना।

इस रूप में 'जिग जिगलर' ने सही कहा है कि "आपकी अभिवृत्ति ही आपकी सफलता का निर्धारण करती है।

6. (a) कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उद्भव ने व्यक्तियों की नीतिशास्त्रीय निर्णयन की प्रक्रिया को प्रभावित किया है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The emergence of Artificial Intelligence has impacted the ethical decision-making process of individuals. Discuss with suitable examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

~~हाल ही में~~ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस वस्तुतः कम्प्यूटर एवं इंटरनेट आधारित व्यवस्था में 'मशीनलर्निंग', 'डीपफेक' जैसी तकनीकों के आधार पर निर्णयन प्रक्रिया में 'मानवीय बुद्धिमत्ता' के समान व्यवहार करने से संबंधित है।

↳ उदा० - ChatGPT, गूगलबर्ड जैसे A.I. चैटबॉट्स

नीतिशास्त्रीय निर्णयन प्रक्रिया पर प्रभाव :-

↳ कृत्रिम बुद्धिमत्ता → मशीन लर्निंग पर आधारित, मानवीय संवेदनाओं से अभी तक युक्त नहीं

↳ मानवीय पूर्वाग्रहों से युक्त डेटा का दुरुपयोग संभव

↳ उदा० → अश्वेतों / स्त्रियों के प्रति पूर्वाग्रह पूर्ण परिणाम संभव

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ दुरुपयोग संभव

↳ राजनीतिक व चुनावी अनैतिक दुरुपयोग

↳ उदा० • दिल्ली विधानसभा चुनावों में सांसद 'मनोज तिवारी' का A.I. युक्त डीपफेक वीडियो

④ व्यक्तिगत सही-गलत के निर्धारण में चुनौती –

↳ A.I. प्रयुक्त चित्रों, वीडियों, इत्यादि को सामान्य व्यक्तियों द्वारा पहचानना मुश्किल

↳ इसने ठगी, बदनामी, जैसे अपराधों को अंजाम दिया जा सकता है।

आगे की राह :

↳ डिजीटल जागरूकता का प्रचार-प्रसार

↳ A.I. पर व्यापक कानून एवं दिशानिर्देश बने

↳ A.I. युक्त सामग्री की पहचान को उजागर करने हेतु 'वाटरमार्किंग' जैसे उपायों को अपनाना

(b) "हम तब खतरनाक होते हैं जब हम अपने व्यवहार, विचार और अनुभव की ज़िम्मेदारी के प्रति सचेत नहीं होते हैं।" क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में उदाहरण प्रस्तुत कीजिये। (150 शब्द) 10

"We are dangerous when we are not conscious of our responsibility for how we behave, think, and feel." Do you agree with the view? Give examples in support of your answer. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मनुष्य का व्यवहार, विचार एवं भावनायें बाह्य जगत पर व्यापक प्रभाव डालते हैं।

अतः इनके प्रति सचेत होना अत्यंत आवश्यक है। ताकि ये तीनों अनियंत्रित होकर स्वयं मनुष्य को नियंत्रित न करने लग जायें।

↳ उदाहरण → बच्चों के प्रति यदि हमारा व्यवहार खराब तो वह 'बच्चों' के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

वहीं यदि हम अपने ~~कार्यों~~ विचारों के प्रति सचेत नहीं रहेंगे, तो उसके परिणाम पर, तथा प्रभाव पर भी

हमारा नियंत्रण नहीं रहेगा।

↳ उदा॰ जाने-अनजाने 'महिलाओं' की 'ड्राइविंग' के प्रति हमारी नकारात्मक धारणा, महिलाओं के आत्मविश्वास में कमी के साथ स्टीरियोटाइपिंग करती हैं।

↳ वहीं हमारी भावनाओं के प्रति सचेतता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि भावनायें हमारे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी हुयी है।

↳ उदा॰ → यदि कठिन लक्ष्य के प्रति 'निराशा' का भाव हमें आगे प्रयास करने से रोक सकता है।

खंड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

7. एक विवाह योजनाकार के रूप में, आपको हाल ही में एक अत्यधिक प्रभावशाली परिवार की शादी आयोजित करने का प्रस्ताव मिला है। बातचीत के दौरान आप दुल्हन के उच्च नैतिक मूल्यों से अत्यधिक प्रभावित हुए। संगीत समारोह के दिन, प्रवेश-कक्ष से गुजरते समय, आपको एक बच्चे की व्यथित रोने की आवाज सुनाई देती है। जाँच करने पर, आपको एक युवा लड़की रोते हुए मिलती है जो उस रसोइये की बेटी होती है जिसे आपने शादी के लिये काम पर रखा था। लड़की आप पर विश्वास करते हुए यह बताती है कि दूल्हे के पिता ने उसका शोषण करने का प्रयास किया। तुरंत, आप दुल्हन को इस परेशान करने वाले रहस्योद्घाटन के बारे में सूचित करते हैं। इसके बाद, दुल्हन और लड़की का परिवार इस मुद्दे को संबोधित करने के लिये आपके कार्यालय में एकत्रित होता है। आपके आग्रह के बावजूद, लड़की के माता-पिता ने औपचारिक शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया। बाद में आपको पता चलता है कि दुल्हन ने लड़की को चुप रहने के लिये अच्छी खासी रकम देने की पेशकश की है। यह एक महत्त्वपूर्ण परियोजना है और आप पहले ही शादी में करोड़ों का निवेश कर चुके हैं।

क्या आपको लगता है कि लड़की के परिवार ने सही निर्णय लिया अथवा नहीं? नीतिशास्त्रीय मुद्दों और अपनी कार्रवाई पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 20

As a wedding planner, you have recently received an offer to organize the wedding of a highly influential family. During your interactions, you were highly impressed with the high moral values of the bride. On the day of the sangeet ceremony, while passing through the hallway, you hear the distressed cries of a child. Upon investigating, you find a young girl in tears who happens to be the daughter of the cook you have hired for the wedding. The girl confides in you, alleging that the groom's father attempted to exploit her. Promptly, you inform the bride of this unsettling revelation. Subsequently, the bride and the girl's family convene at your office to address the issue. Despite your urging, the girl's parents refuse to lodge a formal complaint. Later, you learn that the bride has offered a significant sum of money to the girl to keep silent. This is a significant project, and you have already invested crores in the wedding.

Do you think the girl's family took the right decision? Why or why not? Discuss the ethical issues and your course of action. (250 Words) 20

उपरोक्त केस स्टडी, बाल यौन शोषण, रिश्वतखोरी, प्रभाव एवं धन के दुरुपयोग जैसे नैतिक एवं कानूनी मुद्दों को संबोधित करती है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रमुख हितधारक :

- 'विवाह-योजनाकार' के रूप में
- 'प्रभावशाली परिवार' → जिनके यहाँ शादी
- "दुल्हन"
- दुल्हे के पिता एवं परिवार - दुल्हे सहित
- पीड़िता युवा लड़की
- पीड़िता लड़की का परिवार
- कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ

प्रमुख नैतिक एवं कानूनी मुद्दे :

- 'युवा लड़की' के यौन शोषण के प्रयास का मुद्दा
- दुल्हन के लिये →
  - दुल्हे के परिवार की इज्जत की रक्षा
  - शादी शांति से संपन्न हो
  - रिश्वत द्वारा अपराध पर पर्दा डालने का प्रयास का अनैतिक व्यवहार

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

↳ मेरे लिये
- ↳ निजी हित बनाम पीड़िता को न्याय
- ↳ पेशेवर नैतिकता बनाम सार्वजनिक नैतिकता

लड़की के परिवार ने दबाव में आकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराने से इन्कार किया है। वास्तव में इसे किसी भी रूप में कानूनी एवं नैतिक आधार पर सही निर्णय नहीं कहा जा सकता।

गुण - दोषों के आधार पर इसका विश्लेषण किया जा सकता है:-

गुण	दोष
→ गरीब कुक का परिवार कानूनी पेचिदगियों एवं सामाजिक इज्जत के डर से समझौता	→ शोषण का घ्याज घिनौना कृत्य
→ रुपये का लालच भी एक कारण	→ कानूनन अपराध
	→ ऐसे में पीड़िता के साथ अन्याय के साथ
	→ दूल्हे के पिता पुनः किसी और के साथ यह कर सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कार्यवाही : निम्नलिखित विकल्प :

(1.) ~~यद्यपि~~ 'विचार-योजनाकार' एवं 'करोड़ों के निवेश' के रूप में ~~मेरी~~ मेरे 'पेशेवर हित' ~~कुछ~~ के अनुरूप चुप रहना :

गुण
- → पेशेवर हित सुरक्षित
- → करोड़ों का निवेश सुरक्षित
- → प्रभावशाली परिवार द्वारा अन्य सहायतायें संभव

दोष
- → गैर कानूनी कार्य में मूक दर्शक बनना
- → गैर-कानूनी होने के साथ नैतिक पतन
- → पीड़िता को न्याय नहीं।

(2.) सीधे जाकर पुलिस में औपचारिक सूचना देकर घटना से अवगत करवाऊं तथा कार्यवाही के लिये कहूँ

गुण
- ↳ कानून का पालन
- ↳ नैतिक उत्कर्ष

दोष
- ↳ हो सकता है पीड़िता स्वयं इंकार कर दे

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दोष

↳ इससे व्यवसायिक तौरपर करोड़ो का नुकसान

↳ आगे काम मिलने में चुनौतियां

(3.) पीड़ित परिवार व पीड़िता से बात करके, दुल्हन से बात कर के उन्हें बताऊं कि 'दूल्हे के पिता' का कृत्य गैरकानूनी, अनैतिक व घृणास्पद, कल को दुल्हन के साथ भी कोई दुर्व्यवहार दूल्हे के परिवार द्वारा संभव, अतः बेहतर है, अपराध की सजा दोषी को मिले।

गुण

↳ पीड़ित को न्याय की संभावना

↳ पेशेवर हित भी सुरक्षित रहेंगे

दोष

↳ हो सकता है पीड़ित परिवार व दुल्हन न माने

इस रूप में "तीसरा विकल्प" सबसे बेहतर एवं व्यवहारिक, किंतु यदि दुल्हन व पीड़ित परिवार न माने, तो पुलिस को शिकायत कर सजा दिलवाना जिम्मेदार नागरिक के कर्तव्य पालन के लिहाज से बेहतर।

8. आप केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। आप अपनी एक सहकर्मी के प्रति आकर्षित हैं और उसे विवाह का प्रस्ताव देते हैं। वह खुशी-खुशी इसे स्वीकार कर लेती है। आपके इस निर्णय को आप दोनों के परिवार वाले भी खुशी-खुशी सहमति प्रदान कर देते हैं। एक दिन रात्रि भोजन के लिये वह आपको अपने घर पर आमंत्रित करती है और आपको अपने मम्मी, पापा व भाई-बहन से मिलवाती है। आपको सबका व्यवहार काफी अच्छा व आत्मीय लगता है। भोजन के उपरांत वह आपको घर दिखाने ले जाती है। घर के एक कोने में आपको छोटा सा कमरा दिखता है जो घर के बाकी हिस्सों की तुलना में काफी गंदा व अस्त-व्यस्त है और उसके भीतर से आपको एक बूढ़ी महिला के खाँसने की आवाज़ सुनाई देती है। आपके पूछने पर वह बताती है कि बूढ़ी औरत उसकी दादी है जो मानसिक रूप से बीमार है और सबको परेशान करती है, इसलिये उन्हें अलग रखा जाता है। जब आप स्वयं उसकी दादी से मिलते हैं एवं बात करते हैं तो पाते हैं कि वह एकदम सामान्य है। बातों-बातों में आपको यह भी पता चलता है कि परिवार वाले उनके साथ एकदम उदासीन व उपेक्षित व्यवहार करते हैं। (250 शब्द) 20

(a) इस पूरे प्रकरण को आप किस रूप में देखते हैं?

(b) उक्त प्रकरण के आलोक में हमारे देश में वृद्धों की समस्या पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये और इसके समाधान के उपाय भी सुझाइये।

You are working as an Assistant Professor in a Central University. You are attracted to one of your women colleagues and propose marriage to her. She accepts it and both the families also give their consent. One day, she invites you to her home for dinner and introduces you to her mother, father and siblings. You find their behaviour quite pleasing and affectionate. After dinner your fiancée shows you the house. You come across a small room in a corner of the house which is very much dirty and in disarray and you hear an old woman coughing from inside that room. On asking, your fiancée tells you that the old woman is her grandmother who is mentally ill and troubles everyone, and therefore she has been kept in isolation. When you meet and talk to her grandmother, you find her to be absolutely normal. During this conversation you also realise that the family treats her badly and completely undervalues her. (250 Words) 20

(a) How do you see this whole issue?

(b) In the light of aforementioned case, comment upon the problems faced by senior citizens in our country and suggest some measures to tackle it.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त केस रूढ़ी वर्तमान पारिवारिक व्यवस्था में कई बार बुजुर्गों की दयनीय स्थिति के मुद्दों को संबोधित करती है।

प्रमुख हितधारक :-

→ केंद्रीय वि. वि. के सहायक प्राध्यापक के रूप में 'मैं'

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ मेरी सहकर्मी
→ सहकर्मी का परिवार
→ सहकर्मी की दादी
→ समाज → एक संस्था के रूप में
→ सरकार → वंचित वर्गों के संरक्षक के रूप में

(a) वास्तव में यह पूरा प्रकरण उस खोखली व्यवस्था को उजागर करता है, जहां स्वयं को तथाकथित सुलभ्य और शिक्षित कहने वाले परिवारों में भी बुजुर्गों को उपेक्षा, शोषण एवं वंचना का दंश सहना पड़ता है।

वास्तव में नीति आयोग की 'एजिंग इन इंडिया' रिपोर्ट भी इस बात की ओर इशारा करती है कि शहरी परिवारों में वृद्धजन एकाकीपन एवं उपेक्षित जीवन जीने को मजबूर है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यह पूरा प्रकरण वास्तव में एक समाज के रूप में हमारे नैतिक व सामाजिक मूल्यों के पतन को दर्शाता ही है साथ ही वर्तमान में पारिवारिक मूल्यों के क्षरण, घर के बुजुर्गों के सम्मान में कमी और वृद्धजनों की उपेक्षा के सामान्यीकरण की समस्याओं को भी दर्शाता है।

(b.) हमारे देश में वृद्धों की समस्या-

- देश की आबादी में लगभग 9% आबादी वृद्धजनों की
- 'एजिंग इन इंडिया' रिपोर्ट के अनुसार
  - 2050 तक → 21की आबादी 20% तक बढ़ने का अनुमान
- ~~रेल में वृद्धों~~
- इन्हें निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ता है :-

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(1.) एकाकीपन, उपेक्षा के शिकार

(2.) वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था का अभाव

(3.) सहायक उपकरणों तक पहुँच का अभाव

(4.) वृद्धजनों की आर्थिक, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपायों का अभाव

(5.) डिजिटल जागरूकता का अभाव

सरकारी प्रयास :-

(1.) pm वयोश्री योजना :

↳ वृद्धजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु

(2.) pm वयवंदन योजना

↳ वृद्धजन पेंशन योजना

(3.) SAGE - पोर्टल

↳ वृद्धजनों की सहायता एवं शिकायत निवारण

(4.) 'वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष' एवं कल्याण बोर्ड का गठन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समाधान के उपाय :-

- वृद्धजनों के प्रति सामाजिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्व के प्रति शैक्षणिक एवं सामाजिक जागरूकता अभियान
- वृद्धजनों को सरकारी योजनाओं के लाभ के लिये "डोर स्टेप सुविधाओं" का विकास
- वृद्धजनों हेतु 'वृद्धाश्रम' को टियर-2, टियर-3 शहरों सहित ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों में भी विकास
- वृद्धजनों हेतु 24×7 हेल्पलाइन
- वृद्धजनों हेतु डिजीटल जागरूकता अभियान

9. एक महिला अपने पुरुष साथी के साथ लिव इन रिलेशनशिप में थी। उसने अपने साथी द्वारा शादी का झाँसा देकर पिछले पाँच सालों से लगातार यौन उत्पीड़न एवं बलात्कार किये जाने की शिकायत पुलिस के पास दर्ज कराई। पुलिस द्वारा की गई प्राथमिक जाँच में यह पाया गया कि ये आरोप झूठे हैं तथा ये दंपत्ति आपसी मतभेद होने से पूर्व खुशहाल जीवन जी रहे थे, जिससे पुलिस को ये आरोप निराधार लगे। ऐसे में उस महिला ने राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज करवाते हुए यह आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा उसे न्याय नहीं मिला, उल्टा पितृसत्तात्मक मानसिकता के वशीभूत होकर पुलिस ने उसके प्रति भेदभाव किया है। उसने महिला आयोग से न्याय की अपील की है। आप राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन हैं। (250 शब्द) 20

(a) ऐसी परिस्थिति में आप कौन से कदम उठाएँगी?

(b) क्या आपको लगता है कि लिव इन रिलेशनशिप भारतीय संस्कृति एवं पारंपरिक मूल्यों के खिलाफ है?

A woman was in a live-in relationship with her male partner. She complained to the police of sexual harassment and rape continously for the last five years on the pretext of marriage by her partner. The police on prima facie investigation found out that the allegation is false and the couple was living happily until some internal feud developed that led to these baseless allegations. The woman complained to the State Commission for Women and alleged that she did not get justice from the police and they were biased against her due to a patriarchal mindset. She demands justice from the Women Commission. You are the chairperson of the State Commission for Women. (250 Words) 20

(a) What steps will you take in such a situation?

(b) Do you think that live-in relationships are against Indian culture and traditional values?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त केस स्टडी समाज में 'लिव-इन-रिलेशनशिप' तथा 'महिला यौन उत्पीड़न' के झूठे प्रकरणों की समस्या को संबोधित करती है।

प्रमुख हितधारक :

↳ शिकायतकर्ता महिला
↳ महिला का 'लिव-इन साथी'
↳ पुलिस प्रशासन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- महिला आयोग के अध्यक्ष के रूप में 'मैं'

प्रमुख नैतिक एवं कानूनी मुद्दे :-

- 'लिव-इन-रिलेशनशिप' जैसे गैर-पारंपरिक/भारतीय संस्थाओं के संबंध में मुद्दे
- यौन उत्पीड़न निरोधक कानून के दुरुपयोग व झूठी शिकायत का मुद्दा
- महिलाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों के संबंध में पुलिस व महिला आयोग के प्रतिक्रिया संबंधी मुद्दा

(a) **संभाव्य कदम :-**

इस संबंध में महिला आयोग अध्यक्ष के रूप में मेरे पास 2-3 विकल्प उपलब्ध होंगे :-

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(1.) महिला की बात को सत्य मानकर पुनः पुलिस को कार्यवाही के लिये आयोग की तरफ से लिखित कार्यवाही के लिये नोटिस

गुण

↳ महिला यौन-उत्पीड़न पर आयोग की कर्तव्यों के अनुरूप प्रतिक्रिया

दोष

↳ महिला आयोग के दबाव में शिकायत पर कार्यवाही होने पर निर्दोष पर कार्यवाही संभव

(2.) आयोग अपने स्तर पर 'सदस्यों की टीम' गठित कर मामले की जाँच करे एवं प्रकरण की सत्यता तक पहुँचे

गुण

→ झूठी शिकायत का खुलासा संभव

दोष

– पुलिस की कार्यवाही पर अविश्वास

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(3.) पुलिस प्रशासन एवं पीड़ित पक्ष तथा आरोपी पक्ष तीनों को समन कर मामले की सुनवाई करेंगे, संपूर्ण मामले का तथ्यात्मक अध्ययन कर मामले की सत्यता ~~की~~ तक पहुँचूं।

वास्तव में मेरी कार्यवाही दूसरे एवं तीसरे विकल्प के संयोजन के माध्यम से मामले की सत्यता तक पहुंचने की रहेगी।

जब ही झूठी शिकायत की पुष्टि होने पर दोषी महिला पर उचित कानूनी कार्यवाही एवं जुर्माने की अनुशंसा भी आयोग की तरफ से की जायेगी। ताकि कानून के दुरुपयोग की प्रवृत्ति पर अंकुश लगे।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(b.) लिव-इन-रिलेशनशिप व भारतीय संस्कृति:

- यद्यपि लिव-इन-रिलेशनशिप का विचार → पश्चिमी देशों की देन, इस रूप में भारतीय संस्कृति में इसके प्रति स्वीकार्यता के संबंध में प्रायः नकारात्मक प्रवृत्ति देखी जाती है।
- तब भी → 'वैवाहिक जीवनसाथी' चुनने का अधिकार → S.C. निर्णय के अनुसार अनु॰ 21 के तहत मूल अधिकार
- वहीं प्राचीनकाल में 'स्वयंवर' जैसी परंपरायें भी वैवाहिक एवं प्रेम संबंधों में सामाजिक स्वतंत्रता की ओर ईशारा करती हैं।
- ~~हालांकि~~ महानगरों में इसके प्रति स्वीकृति मिल रही है, किंतु ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक स्वीकृति नहीं
- इस संबंध में कानूनी अधिकारों एवं प्रक्रियाओं/प्रावधानों को अधिक स्पष्ट करने की आवश्यकता

10. बिहार के एक ज़िले में निर्धन परिवारों के बच्चों में अचानक एक्यूट इंसेफलाइटिस का प्रकोप हुआ है। इस ज़िले के सरकारी अस्पताल में दर्जनों बच्चों को भर्ती कराया गया है किंतु इसमें संसाधनों की अत्यधिक कमी है। आप इस ज़िले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी हैं, संकट की इस विकट परिस्थिति को देखते हुए आपने सभी उपलब्ध संसाधनों को जुटाया तथा सभी कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे अपनी छुट्टियाँ रद्द कर दें तथा अपने सामान्य कार्य घंटों से अधिक कार्य करें ताकि प्रभावित लोगों को सर्वोत्तम सेवाएँ दी जा सकें। इस बीमारी के प्रकोप ने राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया है जो इस मुद्दे को कवर करने के लिये पहुँच गया है। हालाँकि उनका कवरेज पक्षपाती प्रतीत हो रहा है, वे केवल अस्पताल की कमियों को ही दर्शा रहे हैं। यहाँ तक कि उन्होंने चिकित्सा स्टाफ के समर्पण की भावना पर भी प्रश्नचिह्न लगाए हैं। वे अपने अनंत सवाल के साथ बढ़ती हुई मौतों के मामलों की जवाबदेही की मांग करते हुए डॉक्टरों के कार्यों में भी हस्तक्षेप कर रहे हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जन सेवा के प्रति अपने पूर्ण समर्पण के बावजूद आपके चिकित्सा स्टाफ की एक नकारात्मक छवि को राष्ट्रीय स्तर पर पेश किया जा रहा है। नतीजतन इससे उनके मनोबल में कमी आई है तथा उनमें से कई लोगों ने आपको इस संदर्भ में कुछ कदम उठाने हेतु संपर्क किया है। (250 शब्द) 20

(a) मीडिया द्वारा गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने तथा चिकित्सा स्टाफ के मनोबल को ऊँचा बनाए रखने के लिये आप क्या करेंगे?

(b) इस संदर्भ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की सामाजिक ज़िम्मेदारी क्या है?

In one of the districts of Bihar, there has been a sudden outburst of Acute Encephalitis among children of poor families. The government hospital in the district is admitting dozens of children but is resource-constrained. You are the Chief Medical Officer of the concerned district. Considering the unprecedented nature of the crisis, you have mobilized all the available resources. You have requested all the staff members to cancel their leaves and work beyond their normal working hours so that affected people can be served in the best possible way. This outbreak of the disease has garnered the attention of national media which reached to cover this issue. However, they seem to be extremely biased in their coverage, portraying only the deficiencies of the hospital. They have even questioned the dedication of the medical staff. With their unending questions and demand for accountability for rising death cases, they are interfering in the work of doctors.

Despite their utmost dedication towards public service, a negative image of your medical staff is being projected at the national level. Consequently, this is hurting their morale and some of them have approached you to do something in this regard. (250 Words) 20

(a) What will you do to prevent misreporting by the media and for keeping the morale of your medical staff high?

(b) What social responsibility does media have in this context as the fourth pillar of democracy?

उपरोक्त केस स्टडी संक्रामक बीमारी के दुष्प्रभावों, उसके समाधान में चिकित्सकीय संसाधनों की कमी तथा चिकित्सकीय कार्यों में मीडिया के

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अतिवादी हस्तक्षेप के मुद्दे को रेखांकित करती है।

प्रमुख हितधारक :

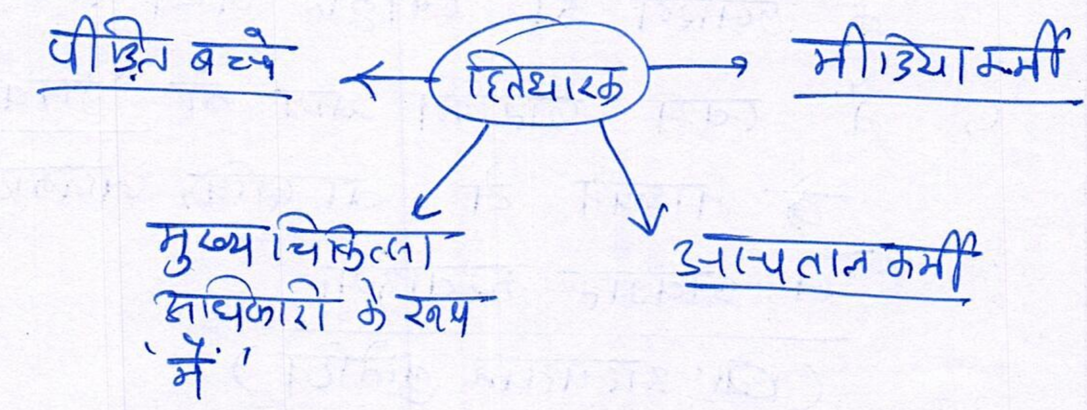

प्रमुख मुद्दे :-

1. महामारी ~~की~~ के इलाज का मुद्दा
2. चिकित्सकीय संसाधनों का अभाव का मुद्दा
3. मीडिया के गैर-संवेदनशील हस्तक्षेप का मुद्दा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(9) **मीडिया द्वारा गलत सूचनाओं को रोकने संबंधी कदम :**

↳ चिकित्सकीय कार्यों में हस्तक्षेप पर लिखित आदेश द्वारा प्रतिबंध

↳ हालांकि मीडिया द्वारा उचित समस्याओं के प्रसारण की स्वीकृति जारी रहेगी

↳ मैं स्वयं प्रतिदिन शाम को 'प्रेसवार्ता' के माध्यम से वास्तविक जानकारी से अवगत करवाऊंगा (अस्पताल बुलेटिन)

↳ P.C.U. जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बाह्य अनावश्यक प्रवेश पर प्रतिबंध

↳ अस्पताल के सोशल मीडिया पेज पर समस्त कार्यवाही एवं चिकित्सकर्मियों के सराहनीय प्रयासों एवं समर्पण को आमजनता तक पहुँचाने का प्रयास

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

• चिकित्सा स्टॉफ के मनोबल को ऊँचा बनाये रखने के लिये :

- पूरे समय ~~[illegible]~~ चिकित्सा स्टाफ के साथ खड़ा रहकर उनके समर्पण की प्रशंसा करूंगा।
- उनसे कहूँगा कि "आप चिंता न करें, किसी भी कमी या गलती की सजा आपसे पहले मैं भुगतूंगा।
- मीडियाकर्मियों के अनावश्यक हस्तक्षेप से उनका बचाव करूंगा।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी -

- सनसनीखेज रिपोर्टिंग व TRP के लिये अकारण से बचें) (जगन्नाथ समिति)
- 'प्रेस की स्वतंत्रता' का दुरुपयोग न करें।
- रिपोर्टिंग के समय मानवीय दृष्टिकोण बनाये रखें।
- संवेदनशील जगहों पर जाने से बचे एवं अनावश्यक हस्तक्षेप न करें।

11. आपको हाल ही में अपर्याप्त अवसंरचनाओं जैसे सड़कों, अस्पतालों और स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं तक सीमित पहुँच और महत्त्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों वाले अत्यधिक अविकसित क्षेत्र में ज़िला मजिस्ट्रेट (**DM**) का पदभार दिया गया है। क्षेत्र की भौगोलिक सुदूरता त्वरित रूप से आवश्यक राहत और विकास प्रयासों को और अधिक जटिल बना देती है।

पदभार ग्रहण करने पर, आपने स्थानीय समुदाय से जुड़ने और उनकी शिकायतों को समझने के लिये एक जनसंघ (सार्वजनिक बैठक) का आयोजन किया। क्षेत्र के निवासियों ने स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा तक पहुँच की कमी से लेकर विधियों के प्रवर्तन एवं सुरक्षा के बारे में चिंताओं के असंख्य मुद्दों के साथ आपसे संवाद किया।

समुदाय की चिंताओं के जवाब में, आपने अवसंरचनाओं के विकास और सामाजिक कल्याण पहल की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हुए एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपके प्रयासों के बावजूद, प्रस्ताव को उच्च अधिकारियों से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। आगे की पूछताछ पर, आपको पता चला कि राजनीतिक मतभेद और नौकरशाही बाधाएँ आवश्यक परियोजनाओं, विशेष रूप से सड़क निर्माण के लिये धन के आवंटन में बाधा डाल रही थीं, जो क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार तथा सामाजिक-आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाने के लिये महत्त्वपूर्ण था।

जैसे-जैसे समय बीतता है, आप स्वयं को समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों से अधिक परिचित पाते हैं। हालाँकि, आप उन्हें कोई राहत नहीं दे पा रहे हैं। आपको उनकी समस्याएँ सुनने और कुछ न करने की आदत हो गई है। (250 शब्द) 20

(a) उपर्युक्त केस स्टडी के संदर्भ में एक लोक सेवक के लिये संवेगात्मक बुद्धिमत्ता का क्या महत्त्व है?

(b) क्षेत्र में सामने आने वाले मुद्दों के समाधान हेतु आपके लिये उचित कार्रवाई क्या होगी?

You have recently assumed the role of District Magistrate (DM) in a highly underdeveloped region characterized by inadequate infrastructure, limited access to basic amenities such as roads, hospitals, and schools, and significant socio-economic challenges. The geographical remoteness of the area further complicates the delivery of immediate relief and development efforts.

Upon taking office, you organized a Jan Sangh (public meeting), to engage with the local community and understand their grievances. Residents of the region approached you with a myriad of issues, ranging from lack of access to healthcare and education to concerns about law enforcement and safety.

In response to the community's concerns, you diligently prepared a comprehensive proposal outlining the urgent need for infrastructure development and social welfare initiatives. Despite your efforts, the proposal received no response from higher authorities. Upon further inquiry, you discovered that political differences and bureaucratic hurdles were obstructing the allocation of funds for essential projects, particularly road construction, which was critical for improving connectivity and facilitating socio-economic development in the region.

As time passes, you find yourself increasingly familiar with the challenges facing the community. However, you are unable to provide any respite to them. You have become habitual to listening to their problems and doing nothing. (250 Words) 20

(a) What is the significance of Emotional Intelligence for a civil servant, drawing from the above case study?

(b) What would be the appropriate course of action for you to address the issues faced in the region?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

12. आप एक महानगरीय क्षेत्र में बेघरों की समस्या से निपटने के लिये सामुदायिक टास्क फोर्स में कार्यरत है। शहर ने एक नवीन पहल का प्रस्ताव दिया है: जो पड़ोस में बेघरों के लिये आश्रय स्थापित करने पर केंद्रित है। हालाँकि, संपत्ति के मूल्यों, सुरक्षा और बेघरों के संबंध में रूढ़िवादिता के कारण उत्पन्न चिंताओं से प्रभावित कई निवासी इस विचार का विरोध करते हैं। उन्हें भय है कि इससे अपराध दर में वृद्धि हो सकती है और पड़ोस के वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, निम्न जातियों के बेघर व्यक्तियों के बारे में भी चिंता व्यक्त की गई है। आश्रय और सहायता सेवाओं की तत्काल आवश्यकता के बावजूद, यह विरोध बेघर होने के चक्र को कायम रखते हुए पहल को खतरे में डालता है। (250 शब्द) 20

(a) विरोध की स्थिति को संबोधित करने और उचित वातावरण के निर्माण के लिये कुछ व्यवहार्य रणनीतियों पर चर्चा कीजिये।

(b) विभिन्न हितधारकों के उत्तरदायित्वों पर प्रकाश डालिये।

You serve on a community task force tackling homelessness in a metropolitan area. The city has proposed a new initiative: establishing a homeless shelter in a centrally located neighborhood. However, numerous residents, influenced by worries about property values, safety, and stereotypes about homelessness, oppose the idea. They fear it may lead to increased crime rates and negatively impact the neighborhood environment. Additionally, concerns about homeless individuals belonging to lower castes have been raised. Despite the urgent need for shelter and support services, this resistance jeopardizes the initiative, perpetuating the cycle of homelessness. (250 Words) 20

(a) Discuss some feasible strategies to overcome the conflict and to create the right ambiance.

(b) Highlight the responsibilities of different stakeholders.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)